नागदा–मथुरा तीसरी लाइन को मंजूरी

23 437 करोड़ की परियोजनाओं को मिली स्वीकृति

41 61 गांवों की कनेक्टिविटी में सुधार होगा

नई दिल्ली/भोपाल, 05 मई. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की आर्थिक कार्य समिति ने आज रेल मंत्रालय की लगभग 23,437 करोड़ रुपये की कुल लागत वाली तीन परियोजनाओं को स्वीकृति दे दी. इन परियोजनाओं में शामिल हैं.

रेल लाइन की क्षमता में वृद्धि से आवागमन में उल्लेखनीय सुधार होगा. इसके परिणामस्वरूप भारतीय रेलवे की परिचालन दक्षता और सेवा विश्वसनीयता में वृद्धि होगी. इस बहु-ट्रैकिंग प्रस्ताव से परिचालन को सुव्यवस्थित करने और भीड़भाड़ को कम करने में उल्लेखनीय सुधार होगा. ये परियोजनाएं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नए भारत की परिकल्पना के अनुरूप हैं.इसका उद्देश्य क्षेत्र के लोगों को व्यापक विकास के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाना है, जिससे उनके रोजगार/स्वरोजगार के अवसर बढ़ेंगे. ये परियोजनाएं पीएम-गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के अंतर्गत बनाई गई हैं, जिसमें एकीकृत योजना और हितधारकों

के परामर्श के माध्यम से बहु-मोडल कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक दक्षता बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया गया है. इन परियोजनाओं से लोगों, वस्तुओं और सेवाओं की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित होगी. मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना राज्यों के 19 जिलों में फैली इन तीन परियोजनाओं से भारतीय रेलवे के वर्तमान नेटवर्क में लगभग 901 किलोमीटर तक की वृद्धि होगी.प्रस्तावित मल्टी-ट्रैकिंग परियोजना से लगभग 4,161 गांवों की कनेक्टिविटी में सुधार होगा, जिनकी आबादी लगभग 83 लाख है. प्रस्तावित क्षमता वृद्धि से महाकालेश्वर, रणथंबोर राष्ट्रीय उद्यान, कुनो राष्ट्रीय उद्यान, केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान, मथुरा, वृंदावन, मंत्रालयम (राघवेंद्र स्वामी मठ), नेटिकंती अंजनेय स्वामी वारी मंदिर (कासापुरम), श्यामनाथ मंदिर, नैमिषारण्य (नीमसर) आदि सहित देश भर के कई प्रमुख पर्यटन स्थलों तक रेल संपर्क में सुधार होगा.

> प्रस्तावित परियोजनाएं कोयला, खाद्यान्न, सीमेंट, तेल, लोहा और इस्पात, लौह अयस्क, कंटेनर, उर्वरक आदि जैसी वस्तुओं के परिवहन के लिए आवश्यक मार्ग हैं. क्षमता वृद्धि कार्यों के परिणामस्वरूप प्रति वर्ष लगभग 60 मिलियन टन माल ढुलाई की अतिरिक्त क्षमता प्राप्त होगी. रेलवे पर्यावरण के अनुकूल और ऊर्जा कुशल परिवहन माध्यम होने के कारण, जलवायु लक्ष्यों को प्राप्त करने और देश की रसद लागत को कम करने में सहायता करेगी, तेल आयात (37 करोड़ लीटर) को कम करेगी और कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन (185 करोड़ किलोग्राम) को कम करेगा, जो 7 करोड़ पौधारोपण के बराबर है.

एसडीएम प्रियंक मिश्रा ने किया बोरगांव औद्योगिक क्षेत्र का औचक निरीक्षण

सौसर. एसडीएम प्रियंक मिश्रा द्वारा मंगलवार को औद्योगिक क्षेत्र बोरगांव का सघन निरीक्षण किया गया. इस दौरान उन्होंने क्षेत्र में संचालित विभिन्न औद्योगिक इकाइयों की कार्यप्रणाली, मूलभूत सुविधाओं और अधोसंरचना की स्थिति का बारीकी से अवलोकन किया. निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने औद्योगिक क्षेत्र में स्वच्छता, जल निकासी (ड्रेनेज), सड़कों की स्थिति, निर्बाध विद्युत आपूर्ति और सुरक्षा मानकों का जायजा लिया. उन्होंने उपस्थित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं में कोई कमी नहीं होनी चाहिए. किसी भी तकनीकी या बुनियादी समस्या का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश भी उन्होंने दिए.

भाजपा मध्यप्रदेश–अनुसूचित जनजाति मोर्चा में नई नियुक्तियां

भोपाल, 05 मई. भारतीय जनता पार्टी, मध्यप्रदेश अनुसूचित जनजाति मोर्चा ने संगठनात्मक ढांचे को और मजबूत बनाने के लिए नई नियुक्तियां की हैं। प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की सहमति और पंकज सिंह टेकाम, प्रदेश अध्यक्ष अनुसूचित जनजाति मोर्चा के निर्देशन में, 11 जिलों के लिए नए जिलाध्यक्षों की नियुक्ति की घोषणा की गई है। ये नियुक्तियां संगठन के जनजातीय हितों के सशक्त प्रतिनिधित्व और क्षेत्रीय स्तर पर बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की गई हैं। नई नियुक्तियां प्रदेश के हर जिले में मोर्चा की सक्रियता और जनता के साथ संवाद को और प्रभावशाली बनाएंगी.

संगठनात्मक नियुक्तियां

भारतीय जनता पार्टी प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की सहमति से अनुसूचित जनजाति मोर्चा के जिलाध्यक्षों की नियुक्ति की गई है, जिनके नाम इस प्रकार हैं –

जिला	नाम
मंडला	राधा जयमीनिया कोल
आगर	मोहन कटारा
सागर	उमेश गोंड
धार ग्रामीण	लालसिंह वर्मन
निवाड़ी	मुल्ला लाल सौर
टीकमगढ़	संतेंद्र सौर
सतना	लक्ष्मण रावत
सिंगरौली	समर बहादुर सिंह
बुरहानपुर	सुमानसिंह चौहान
जबलपुर ग्रामीण	किशोर सिंह ठाकुर
अलीराजपुर	विक्रम मरडिया

एक नजर में

क्रूज हादसे में एफआईआर दर्ज करने के निर्देश

जबलपुर . क्रूज हादसे को संज्ञान में लेते हुए जिला न्यायालय ने एफआईआर दर्ज करने के आदेश जारी किये हैं. जेएमएफसी डी पी सूत्रकार ने बरगी थाना पुलिस को दो दिनों को एफआईआर दर्ज कर न्यायालय को सूचित करने के निर्देश जारी किये थे .जेएमएफसी डी पी सूत्रकार ने अपने आदेश में कहा है कि समाचार पत्र तथा सोशल मीडिया में प्रकाशित खबरों के अनुसार न्यायालय के संज्ञान में यह तथ्य आये है कि चालक के द्वारा क्रूज अपेक्षा पूर्वक नहीं चलाया गया. जिसके कारण क्रूज डूबने से कई व्यक्तियों की मौत हो गयी. इस मामले में एफआईआर दर्ज कर जांच नहीं हुई तो भविष्य में क्रूज संचालन या नाव संचालित करने वाला कोई भी व्यक्ति अनहोनी होने पर लोगों को डूबता हुआ छोड़ेगा और इस कार्य की पुनरावृत्ति होगी.

प्रेम संबंधों के चलते प्रेमी ने महिला को उतारा मौत के घाट

छिंदवाड़ा . चांद में तीन दिन पूर्व महिला की अंधी हत्या कांड का पुलिस ने खुलासा कर दिया है .इस मामले में पुलिस ने उसके प्रेमी को गिरफ्तार किया है . पूछताछ में उसने जुर्म करना स्वीकार कर लिया है . पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेष कर जेल भेज दिया है . गौरतलब है कि चारगांव के खेत में एक मई को एक अज्ञात महिला का शव सड़ी-गली अवस्था में मिला था . सूचना मिलते ही मौके पर पहुंच षव को कब्जे में लेकर पूछताछ की गई . तरुण साहू ने बताया कि मृतिका सुनीता पति पतिराम साहू, उम्र 45 वर्ष, निवासी पातालेश्वर, थाना कुंडीपुरा की रहने वाली है . वह 28 अप्रैल की शाम घर से लड़की देखने का कहकर निकली थी, जो वापस नहीं आयी . जिसकी 30 अप्रैल को कुंडीपुरा में गुम इंसान कायमी की गई थी . इधर शव मिलने के बाद चांद थाने में धारा 194 बीएनएसएस के तहत मामला दर्ज कर जांच में लिया गया .

तेज रफ्तार का कहर पिता पुत्र की मौत

देवास . देवास जिले में बड़े वाहनों की तेज़ रफ्तार पर ब्रेक ही नहीं लग रहा है, इस तेज़ रफ़्तार ने फिर दो जिंदगियां निगल ली, क्षेत्र में पिछले एक महीने में एक दर्जन से अधिक लोगों की मौत तेज़ रफ़्तार वाहन चलाने से या तेज़ रफ़्तार वाहन के टक्कर मार ने से हों गई है .मंगलवार दोपहर को भी सोनकच्छ पीपलरांवा मार्ग पर पटाडीया ग्राम के यहां पर मोटरसाइकिल पर सवार दिलशाद पिता बाबू का उम्र 60 वर्ष निवासी कालापीपल अंसार दिलशाद निवासी कालापीपल 30 वर्ष को एक तेज रफ्तार चार पहिया वाहन ने जोरदार टक्कर मारकर फरार हो गया, इस टक्कर में दिलशाद सड़क से बहुत दूर झाडीयो में जा गिरे और अंसार सड़क पर गिर गया, टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए . जिन्हें राहगीरों की मदद से डायल 112 के हेड कांस्टेबल राजेन्द्र सिंह सेंधव और पायलट जयप्रकाश घायलों को सिविल अस्पताल सोनकच्छ लाया गया जहां पर गंभीर स्थिति को देखते हुए दोनों को तुरंत देवास जिला अस्पताल रेफर किया गया जहां पर दोनों की मौत हो गई .

पटवारी पर ट्रैक्टर चढ़ाने का प्रयास,जेसीबी चालक सहित पांच पर केस, तीन गिरफ्तार

नवभारत न्यूज़

खंडवा। जिले के जावर सर्किल अंतर्गत ग्राम भकराडा में मुरम के अवैध उत्खनन के दौरान सरकारी कार्रवाई पर हमला करने का गंभीर मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार रविवार को गश्त के दौरान हल्का पटवारी मयंक फुलेरिया को भकराडा में शासकीय भूमि पर अवैध खनन की सूचना मिली।

मौके पर पहुंचने पर एक जेसीबी और चार ट्रैक्टर-ट्रॉलियां मुरम निकालते हुए पाई गईं, जिन्हें पास के क्षेत्र में ले जाया जा रहा था।

पटवारी को देखकर सभी चालक मौके से भागने लगे। इसी दौरान एक ट्रैक्टर चालक ने दुस्साहस दिखाते हुए पटवारी पर ही ट्रैक्टर चढ़ाने का प्रयास किया,

जिससे उनकी जान पर बन आई। हालांकि पटवारी ने सतर्कता से खुद को बचा लिया। घटना के दौरान अफरा-तफरी मच गई और चालक अपने-अपने वाहन लेकर फरार हो गए, लेकिन एक जेसीबी मशीन गड्ढे में फंस गई, जिसे मौके पर ही जब्त कर लिया गया। नायब तहसीलदार और तहसीलदार को दी गई, जिसके बाद प्रशासनिक कार्रवाई शुरू हुई। जावर थाने में अवैध उत्खनन, शासकीय कार्य में बाधा और जान से मारने के प्रयास सहित विभिन्न धाराओं में जेसीबी चालक समेत पांच आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। प्रशासन के अनुसार, पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए जेसीबी चालक सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि दो ट्रैक्टर चालक अभी फरार हैं। बिना नंबर के दो ट्रैक्टर भी जब्त किए गए हैं और फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

करंट से दो भाई झुलसे, एक की मौत, लाइन जोड़ते समय हादसा

शिवपुरी, 5 मई. इंदार थाना क्षेत्र के अम्हारा गांव में बिजली लाइन जोड़ते समय खंभे पर चढ़े दो चचेरे भाई करंट लगने से नीचे गिर पड़े. हादसे में रविंद्र यादव की मौत हो गई, जबकि राजपाल यादव गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे ग्वालियर रेफर किया गया है.

गांव में पिछले तीन दिनों से बिजली आपूर्ति बंद थी. इससे परेशान ग्रामीणों ने लाइन दुरुस्त कराने की कोशिश की. परिजनों का आरोप है कि लाइनमैन अरविंद कुशवाह ने मौके पर आने के बजाय परमिट दिलवाने की बात कही और परमिट मिलने के बाद खुद लाइन जोड़ने के लिए कहा. लाइनमैन और माढ़ा फीडर के ऑपरेटर ने परमिट मिलने की सूचना दी, जिसके बाद दोनों भाई खंभे पर चढ़े.

> लाइन जोड़ते समय अचानक बिजली सप्लाई चालू हो गई, जिससे तेज करंट लगने पर दोनों भाई खंभे से नीचे गिर गए. घटना के बाद परिजन उन्हें तत्काल निजी अस्पताल लेकर पहुंचे. अस्पताल में डॉक्टरों ने रविंद्र यादव को मृत घोषित कर दिया, जबकि गंभीर रूप से घायल राजपाल यादव को ग्वालियर रेफर किया गया है.

पेरिस में बिखरी मध्यप्रदेश के बाग प्रिंट की आभा

विकास आयुक्त अमृत राज के प्रयासों से मिली वैश्विक पहचान

भोपाल, 5 मई. मध्यप्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक और हस्तशिल्प विरासत बाग प्रिंट ने फ्रांस की राजधानी पेरिस में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी में सफलता के नए आयाम स्थापित किए हैं.

प्रदेश की पारंपरिक कलाओं को वैश्विक बाजार उपलब्ध कराने की दिशा में यह एक प्रभावी कदम है.इस अंतर्राष्ट्रीय उपलब्धि में विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) अमृत राज के दूरदर्शी नेतृत्व और विशेष प्रयासों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है. उनके मार्गदर्शन में हस्तशिल्पियों को वैश्विक मंच प्रदान करने के उद्देश्य से एक सुदृढ़ कार्ययोजना तैयार की गई है, जिससे मध्य प्रदेश की कला को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान

मिल रही है. अमृत राज के प्रयासों से ही स्थानीय शिल्पकारों को आधुनिक वैश्विक मांग के अनुरूप तकनीकी सहयोग और विपणन के अवसर प्राप्त हो रहे हैं, जिससे बाग प्रिंट जैसी दुर्लभ कला का पुनरुद्धार हुआ है. नेशनल अवार्डी शिल्पकार मोहम्मद बिलाल खत्री पेरिस में आयोजित यूरोप के सबसे प्रतिष्ठित मेले फोयर डे पेरिस में बिलाल खत्री बाग प्रिंट का लाइव डेमोंस्ट्रेशन दे रहे हैं. भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय द्वारा इन्हें चयनित किया गया है.

> उनके द्वारा प्राकृतिक रंगों और लकड़ी के ठप्पों के माध्यम से कपड़े पर उकेरी जा रही कलाकृतियां अंतरराष्ट्रीय दर्शकों और विशेषज्ञों के लिए आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं .मेले के दौरान भारतीय दूतावास की थर्ड सेक्रेटरी वर्धा खान और प्रथम सचिव माधव आर. सल्फुले ने भारतीय पवेलियन का अवलोकन किया. उन्होंने बिलाल खत्री के कौशल की सराहना करते हुए स्वयं ब्लॉक प्रिंटिंग का अनुभव लिया. उन्होंने इसे भारतीय संस्कृति का अनमोल हिस्सा बताते हुए मध्यप्रदेश के शिल्पकारों के समर्पण की प्रशंसा की.

कई घंटों की मेहनत कर निकाला 3 .5 किलो का ट्यूमर

मंदसौर। शहर के लिए गर्व की बात है कि 50 वर्षीय महिला के दाहिने अंडाशय से लगभग 3 .5 किलोग्राम वजनी ट्यूमर को सफलतापूर्वक निकाल दिया गया। यह सर्जरी जटिल श्रेणी में आती है और उच्च कौशल व अनुभव की मांग करती है। इस ऑपरेशन का सफल नेतृत्व सर्जन डॉ. ईशांत चौरसिया द्वारा किया गया। मरीज वर्तमान में स्वस्थ है और रिकवरी अच्छी तरह से हो रही है। मरीज का यह उपचार आयुष्मान योजनान्तर्गत हुआ जिससे उसका इलाज मंदसौर में ही हो सकता व उसके लाखों रू. की बचत भी हुई। उल्लेखनीय है कि डॉ. ईशांत चौरसिया इससे पहले भी मंदसौर में ऐसे ही 5 जटिल और सफल मामलों को संभाल चुके हैं, जो उनके अनुभव और विशेषज्ञता को दर्शाता है।

यूनिटी लॉजिस्टिक पार्क में भीषण अग्निकांड

12 फायर ब्रिगेड के वाहनों से आग पर पाया काबू

जबलपुर, 5 मई. कटंगी बायपास के पास करीब ढाई एकड़ में फैले यूनिटी लॉजिस्टिक पार्क में शॉर्ट सर्किट की वजह से भीषण आग भड़क उठी जिसमें वहां डेलीवरी, रिलायंस और ब्रिटानिया कंपनी के गोदामों में रखा लाखों का माल जलाकर खाक कर दिया.

आग इतनी भीषण थी कि कई किलोमीटर तक आग की ऊंची ऊंची लपटें लोगों को नजर आ रहीं थीं. सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंचे फायर अमले ने मोर्चा संभाला और आग पर काबू पाया. जानकारी के अनुसार गोदामों में तेल, घी, चावल, गेंहू, दाल, किराना सामान जलकर खाक हो गया है. लॉजिस्टिक पार्क गौतम नाहटा और सिद्धार्थ मेहता का बताया जा रहा है. गोदामों में तेल , घी होने के कारण मंगलवार दोपहर करीब 2 बजे तक आग बार बार सुलग रही थी जिस दौरान फायर अमले द्वारा आग को शांत कराया जा रहा था.

प्रत्यक्षदर्शियों ने इस दौरान कहा कि फायर ब्रिगेड के अमले की सजगता से ये अच्छा हुआ कि

आग वहीं पास में स्थित टायर, पेंट के गोदाम तक नहीं पहुंची. आग पर काबू पाने के लिए टैंकर सहित कुल 12 नगर निगम के फायर वाहनों की मदद ली गई थी. वहीं आग की सूचना मिलते ही मौके पर महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू भी पहुंच गए थे.

जानकारी के अनुसार कटंगी बायपास में स्थित यूनिटी लॉजिस्टिक पार्क के तीनों गोदाम रात में बंद रहते हैं जिस कारण वहां कर्मचारी मौजूद नहीं थे. अगर घटना के वक्त वहां करीब 40 से 50 कर्मचारी मौजूद रहते तो किसी बड़ी दुर्घटना से इंकार नहीं किया जा सकता था.

तीन पार्टिशन में विभाजित थे गोदाम

प्रत्यक्षदर्शी एशियन पेंट्स कंपनी के सुपरवाइजर मोहन बर्मन ने नवभारत को बताया कि उनकी रात में ड्यूटी थी और वे अपनी ड्यूटी दे रहे थे कि तभी उनके सामने यूनिटी लॉजिस्टिक पार्क में स्थित डेलीवरी, ब्रिटानिया और रिलायंस कंपनी के गोदामों में रात करीब पौने ग्यारह बजे शॉर्ट सर्किट की वजह से आग भड़क उठी. कटंगी बायपास में मौजूद यूनिटी लॉजिस्टिक पार्क में तीन पार्टिशन बने हुए थे जिसमें तीनों अलग अलग कंपनियों के गोदाम संचालित हो रहे थे.

सिंहस्थ की तैयारियों के बीच अतिक्रमण कार्रवाई पर विवाद

नवभारत न्यूज़

ओंकारेश्वर। सिंहस्थ 2028 की तैयारियों के तहत चल रहे अतिक्रमण हटाओ अभियान को लेकर विवाद गहराता जा रहा है।

भीषण गर्मी और आगामी मानसून से पहले मकान तोड़े जाने पर स्थानीय लोगों और कांग्रेस नेताओं ने कड़ा विरोध जताया है। उनका कहना है कि बिना पुनर्वास की व्यवस्था किए गरीबों को बेघर करना अमानवीय है। ग्रामीण कांग्रेस जिलाध्यक्ष उत्तमपाल सिंह ने प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर प्रशासन पर आरोप लगाया कि योजनाबद्ध तरीके से लोगों को उजाड़ा जा रहा है। उन्होंने कहा कि यदि विकास कार्य जरूरी हैं तो पहले विस्थापितों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित की जानी चाहिए। वहीं, राज वैद्य महंत सोमेश्वर गिरी ने भी आश्रमों पर हुई कार्रवाई पर नाराजगी जताई है।

व्हाट्स एप ग्रुप से जुटाए 3 .15 लाख दिवंगत दशरथ के परिजन को सौंपे

गरोठ। क्षेत्र से एक भावुक, लेकिन प्रेरणादायक दोस्तों की सच्ची कहानी फिर सामने आई है। जिसने यह साबित कर दिया कि मुश्किल समय में इंसानियत आज भी जिंदा है।

पिपलिया राठौड़ गांव के निवासी दशरथ सिंह की कुछ दिन पूर्व ट्रेन हादसे में हुई असामयिक मौत ने पूरे क्षेत्र को गमगीन कर दिया था। उनके निधन से जहां एक मां ने अपना बेटा, एक पत्नी ने अपना जीवनसाथी और तीन मासूम बच्चियों ने अपने पिता का साया खो दिया, वहीं दोस्तों ने एक सच्चा साथी खो दिया।

दिवंगत दशरथ के परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण यह दुख और भी गहरा हो गया। ऐसे कठिन समय में उनके दोस्तों ने संवेदनशीलता और जिम्मेदारी का परिचय देते हुए एक सराहनीय पहल की। एक साधारण व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से दोस्तों और दानदाताओं ने मिलकर 3 लाख 15 हजार 495 रुपये की राशि जुटाई। इन साथियों ने स्वयं गांव पहुंचकर यह पूरी राशि दिवंगत दशरथ के परिवार को सौंप दी। जिससे परिवार को इस कठिन समय में बड़ी राहत मिली। इस दौरान मित्रों ने भावुक शब्दों में कहा कि दशरथ सिर्फ अपने परिवार के ही नहीं, हम सभी के थे। अब हम सब मिलकर इस परिवार की जिम्मेदारी निभाएंगे और हर जरूरत पर साथ खड़े रहेंगे। यह पहल मानवता का सच्चा उदाहरण है।

आपसी संघर्ष में बाघ घायल रेस्क्यू के 9 दिन बाद तोड़ा दम

नवभारत न्यूज

पन्ना, 05 मई. पन्ना टाइगर रिजर्व के अमानगंज (बफर) परिक्षेत्र में मंगलवार को एक बाघ का शव मिलने से हड़कंप मच गया. प्राथमिक जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार, बाघ की मौत अन्य वन्यजीव के साथ हुए आपसी संघर्ष के कारण हुई है. गौरतलब है कि इसी बाघ को महज 9 दिन पहले ही तारा ग्राम से रेस्क्यू कर कोर एरिया में छोड़ा गया था.

शरीर पर मिले घाव, टूट गई थी रीढ़ की हड्डी: वन्यजीव चिकित्सकों की टीम ने जब बाघ का पोस्टमार्टम किया, तो चौंकाने वाले तथ्य सामने आए. बाघ के शरीर पर कई गहरे घाव के निशान मिले हैं. संघर्ष इतना भीषण था कि बाघ की रीढ़ की हड्डी और सिर की हड्डी भी टूटी हुई पाई गई.

हाथियों से हो रही थी निगरानी

इस बाघ को 26 अप्रैल को अमानगंज बफर के पास तारा ग्राम से रेस्क्यू किया गया था. इसके बाद उसे रेडियो कॉलर पहनाकर स्वस्थ अवस्था में कोर क्षेत्र में छोड़ा गया था. पार्क प्रबंधन का दावा है कि हाथियों और वन कर्मियों की टीम 24 घंटे इस बाघ की मॉनिटरिंग कर रही थी. बावजूद इसके, बाघ आपसी लड़ाई में अपनी जान नहीं बचा सका.

हालांकि, बाघ के सभी अंग सुरक्षित मिले हैं, जिससे शिकार की संभावना से इंकार किया गया है. मौत के सटीक कारणों का पता लगाने के लिए विसरा सैंपल लैब भेजे गए हैं.

अधिकारियों की मौजूदगी में हुआ अंतिम संस्कार

घटना की सूचना मिलते ही एनटीसीए के दिशा-निर्देशों के तहत इलाके को सील कर डॉग स्क्वाड से जांच कराई गई. इसके बाद क्षेत्र संचालक ब्रिजेन्द्र श्रीवास्तव, उप संचालक बीरेन्द्र कुमार पटेल, और एनटीसीए प्रतिनिधि चन्द्रभान तिवारी सहित अन्य अधिकारियों व स्थानीय जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में बाघ का शवदाह किया गया. वर्तमान में सुरक्षा के लिहाज से क्षेत्र में कैमरा ट्रैप लगाए गए हैं और हाथियों के जरिए सघन गश्त की जा रही है.

अनदेखी | तालाब दतिया नगर की सुंदरता में चार चांद लगाते थे, परंतु समय का पहिया ऐसा घूमा कि आज यह तालाब अपनी दुर्दशा पर आंसू बहा रहे हैं

दतिया में अब विलुप्त होने की कगार पर हैं तालाब

रमाकांत मिश्रा

दतिया, 5 मई. दतिया में अंतिम सांसे गिन रहें हैं तालाब जो विलुप्त होने की कगार पर हैं. एक समय था जब दतिया नगर को तालाबों की नगरी कहा जाता था और संपूर्ण नगर की प्यास बुझाने का कार्य यही तालाब करते थे. दतिया नगर चारों तरफ से तालाबों से घिरा हुआ था. यही तालाब दतिया नगर की सुंदरता में चार चांद लगाते थे. परंतु समय का पहिया ऐसा घूमा कि आज यह तालाब अपनी दुर्दशा पर आंसू बहा रहे हैं. तालाबों पर जलकुंभी ने अपना कब्जा जमा

लिया है जिससे यह तालाब अब विलुप्त होने की कगार पर हैं.

पूर्व गृहमंत्री डॉ.नरोत्तम मिश्रा ने तालाबों के विकास के लिए अनेक प्रकार के प्रयास किए परंतु देखरेख के अभाव में तालाब दुर्दशा के शिकार हो गए. चारों तरफ़ से गंदगी और अतिक्रमण होने से तालाब अपना अस्तित्व खोते जा रहें हैं और पोखर से नज़र आने लगे हैं.

पूर्व में अनेक बार तालाबों को गंदगी से मुक्त करने चलाए गए अभियान: पूर्व में नवभारत समाचार पत्र ने ग्वालियर की सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से इन तालाबों को गंदगीमुक्त करने के लिए अभियान चलाए थें जिसमें काफ़ी तक सफ़लता भी मिलीं थी. यदि समय रहते प्रशासन और नगर पालिका परिषद दतिया ने इन तालाबों के लिए कुछ नहीं किया गया तो बहुत जल्द ही यह विलुप्त हों जाएंगे और फ़िर हम सब कहेंगे कि दतिया कभी तालाबों की नगरी हुआ करती थी.

नगर के मुख्य तालाब जो हैं दुर्दशा का शिकार

दतिया नगर के मुख्य तालाब जो देख रेख के अभाव में दम तोड़ रहें हैं और विलुप्त होने के कगार पर हैं, उनमें सीता सागर तालाब, लाला का तालाब, तरण तारण, करन सागर, राधा सागर, लक्ष्मण तालाब, राम सागर आदि शामिल हैं . यदि अभी भी समय रहते इन तालाबों की देखरेख और संरक्षण कर लिया जाए तो यह फ़िर से अपने पुराने स्वरूप में लौट सकते हैं . इसके लिए प्रशासन, नगर पालिका परिषद दतिया, समाज सेवी संस्थाओ, दतिया नगर के वरिष्ठजनों के सहयोग से ही यह तालाब अपने पुराने स्वरूप में लौट सकते हैं .